**80. प्रतिवादी के अनुरोध पर प्रस्तुत किये गये और न स्वीकृत किये गये माल का प्रत्युद्धरण के लिए वाद।**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

**ऊपर नामित वादी निम्नलिखित रूप में सादर निवेदन करता है -**

1. तारीख .............. .............. को ग च वादी के साथ यह करार करता है कि वादी को उसके लिए छः मेजों एवं पचास कुर्सियों को प्रस्तुत करना चाहिए और यह कि ग च को.............. ..............रुपये के परिदान पर माल के लिए संदाय करना चाहिए।
2. वादी ने माल को प्रस्तुत किया और तारीख .............. .............. को ग च को उन्हें परिदान करने के लिए प्रस्तुत किया और वैसा करने के लिए सदा से तैयार एवं इच्छा कर रहा है।
3. ङ च ने माल को स्वीकार नहीं किया है और उनके लिए भुगतान नहीं किया है।
4. यह प्रदर्शित करने वाले तथ्य जब वाद हेतुक पैदा हुआ और यह कि न्यायालय के पास अधिकारिता है।
5. अधिकारिता के प्रयोजनार्थ वाद की विषय वस्तु का मूल्य .............. .............. रुपये है और न्यायालय फीस के प्रयोजनार्थ .............. .............. रुपये है।

**दावाकृत अनुतोष**

वादी दावा करता है कि प्रतिवादी को. एक आज्ञापंक आदेश जारी करके वादी से उपर्युक्त माल का परिदान ग्रहण करने तथा उसके लिए उचित मूल्य या जैसा न्यायालय उचित समझे, के रूप में ................ ...................रुपये का संदाय करने का आदेश किया जाय।

वादी

जरिये अधिवक्ता

**सत्यापन**

मैं ऊपर नामित वादी, एतद् द्वारा सत्यापित करता हूँ, कि वादपत्र के पैरा ............. ...... ...... ........... .... .. लगायत .................................. की अन्तर्वस्तु मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य है और ................................... पैरा के वे सभी तथा उसका.......... उस विधिक सलाह पर आधारित है। जिसे मैं सत्य होने का विश्वास करता हूँ।

मैं इस दिनांक ....... को सत्यापित किया गया।

वादी